CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 29 अंक- 225 रायपुर, सोमवार 7 सितंबर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

दिल्ली के सत्य निकेतन हादसे में दुर्ग के युवराज की मौत

हादसे से कुछ ही पल पहले अपने दोस्त आर्यन से फोन पर कर रहा था बात

रायपुर/दुर्ग, 7 सितंबर (हाईवे चैनल)। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को हुए दर्दनाक इमारत हादसे ने छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के एक परिवार की खुशियां छीन लीं. हादसे में दुर्ग निवासी युवराज सोनी की मौत हो गई. 20 वर्षीय युवराज सत्य निकेतन स्थित बॉयज पीजी में रहते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू कॉलेज में बीकॉम द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। खबरों के मुताबिक, दर्दनाक हादसे से कुछ ही पल पहले युवराज अपने बचपन के दोस्त आर्यन से फोन पर बात कर रहा था. दोनों छुट्टियों के बाद मिले समय में घूमने जाने की योजना बना रहे थे. बातचीत के दौरान अचानक फोन पर तेज और भयावह गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई दी, उसके करीबन एक मिनट बाद फोन कट गया।

आर्यन को उम्मीद थी कि युवराज उसे फोन करेगा, लेकिन जब कुछ देर बाद उसे सत्य निकेतन में इमारत गिरने की खबर मिली. इसके बाद आर्यन तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हुआ. मौके पर उस समय राहत और बचाव कार्य जारी था. आर्यन ने युवराज की तलाश में कई जगह जानकारी जुटाई. काफी देर तक भटकने के बाद उसे एम्स ट्रॉमा सेंटर से सूचना मिली कि युवराज की हादसे में मौत हो चुकी है। बताया जा रहा है कि युवराज छुट्टियों के बाद महज तीन दिन पहले ही अपने घर दुर्ग से दिल्ली लौटा था. युवराज और आर्यन बचपन से दोस्त थे. दोनों एक ही गांव से ताल्लुक रखते थे. युवराज के दिल्ली लौटने के बाद दोनों जल्द ही साथ घूमने जाने की योजना बना रहे थे।

एमसीडी के 5 अधिकारी सस्पेंड, घटना में 7 लोगों की गई जान

नई दिल्ली, 7 सितंबर (न्यूज चैनल)। सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कमिश्नर संजीव खिरवार ने कहा, दुर्भाग्य से इस घटना में सात लोगों की जान चली गई। इस इमारत के बगल वाली इमारत कमजोर हो गई है, उसे रात भर में मजबूत किया गया है। अगले 1-2 दिनों में हम उसे योजनाबद्ध तरीके से ध्वस्त करेंगे। सत्य निकेतन की इमारत गिरने की घटना के बाद दिल्ली सरकार ने एमसीडी उपायुक्त, कार्यकारी अभियंता, अधीक्षण अभियंता, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को सस्पेंड कर दिया है।

ये पांच अधिकारी हुए सस्पेंड- राकेश कुमार, डिप्टी कमिश्नर, साउथ जोन, रणवीर सिंह, एसई साउथ जोन, ललित कुमार गोयल, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर(बिल्डिंग) साउथ जोन, सुनील चौहान, असिस्टेंट इंजीनियर, साउथ जोन, आशीष कुमार, जूनियर इंजीनियर, साउथ जोन।

गुरुग्राम में हरिराम बंसल की दुकान पर भी ताला लगा हुआ है। सेक्टर -23 में हरी पेंट्स एन्ड हार्डवेयर के नाम से वह चलाता है। देर शाम से दुकान पर ताला लगा हुआ है। दिल्ली पुलिस की टीम इस दुकान पर भी पहुंची थी। दिल्ली में गिरी इमारत के कथित मालिक हरिराम बंसल के पड़ोसी एसके शर्मा ने कहा, %बंसल की दुकान बाजार में है।

हाईकोर्ट पहुंचा मामला, आरोपी मालिक पर लुकआउट नोटिस

दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में 5 मंजिला इमारत ढहने की दर्दनाक घटना के बाद प्रशासनिक और न्यायिक कार्रवाई तेज हो गई है। मलबे में लोगों की तलाश के बीच अब मामले में कानूनी और प्रशासनिक स्तर पर भी ताबड़तोड़ कदम उठाए जा रहे हैं। एक ओर जहां मामला दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गया है, वहीं आरोपी मकान मालिक पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने लुकआउट नोटिस जारी किया है। सत्य निकेतन में इमारत ढहने की घटना को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की गई है।

सागौन तस्करी

वन विभाग और पुलिस ने गिरोह के मंसूबों पर फेरा पानी, 3 गिरफ्तार

गरियाबंद, 7 सितंबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले से फिल्म पुष्पा की तर्ज पर बेशकीमती सागौन की लकड़ी की तस्करी का मामला सामने आया है. उदंती नदी के बहाव का सहारा लेकर सागौन के लट्ठों को ओडिशा पहुंचाने की कोशिश की गई, लेकिन वन विभाग और गरियाबंद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई ने तस्करों के मनसूबों पर पानी फेर दिया. अंतरराज्यीय सागौन तस्करी गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीन आरोपी अभी फरार हो गए।

जानकारी के मुताबिक, उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की स्मार्ट सर्विलांस व्यवस्था और मैदानी सूचना तंत्र के जरिए वन अमले को सागौन तस्करी की जानकारी मिली थी. सूचना के आधार पर वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने निगरानी बढ़ाई और तस्करी से जुड़े लोगों की पहचान कर कार्रवाई की. जांच में पता चला कि तस्कर नदी के बहाव का इस्तेमाल कर सागौन के लट्ठों को छत्तीसगढ़ से ओडिशा की ओर ले जाने की कोशिश कर रहे थे. तीन आरोपियों को मौके से दबोच लिया गया. गिरफ्तार आरोपियों के तार छत्तीसगढ़ और ओडिशा से जुड़े बताए जा रहे हैं। बता दें कि पिछली बारिश के दौरान भी वन अमले ने नदी के बहाव का इस्तेमाल कर लकड़ी की तस्करी करने वाले एक आरोपी को पकड़ा था. इसके बाद वन विभाग ने बारिश के मौसम में नदी और उसके आसपास के इलाकों में निगरानी और बढ़ा दी थी।

ब्रेकिंग न्यूज

दर्शन कर तिरुपति से लौट रहा था परिवार, एक ही परिवार के 4 सदस्यों समेत 7 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 7 सितंबर (न्यूज चैनल)। कर्नाटक के कोलार और चिक्कबल्लापुर जिलों में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में सात लोगों की मौत हो गई। इनमें एक ही परिवार के चार सदस्य भी शामिल हैं, जो सोमवार को तिरुपति मंदिर के दर्शन के बाद बेंगलुरु लौट रहे थे। पहली घटना में, बेंगलुरु के चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। उनकी कार चेन्नई-बेंगलुरु एक्सप्रेसवे पर कोलार जिले के चत्रस्न तालुक में डोड्डा कारी गांव के पास बेकाबू होकर पलट गई। मृतकों की पहचान 70 वर्षीय शरदाम्मा, 25 वर्षीय दीक्षिता, 41 वर्षीय देवेंद्र कुमार और 13 वर्षीय जिष्णु के तौर पर हुई है। वे बेंगलुरु के विद्यारण्यपुरा के रहने वाले थे।

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, अब फ्लाइट में पायलट भी नशे में रहते हैं..!
चुहिया- हां जी, धरती पर नशाबंदी चल रही है न..!

बिलासपुर-रायपुर हाइवे पर ट्रैक्टर की ठोकर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

बिलासपुर, 7 सितंबर (हाईवे चैनल)। बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे-130 पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना मुंगेली जिले के सरगांव थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक, हादसा कल दोपहर करीब 1 बजे हुआ। भिलौनी निवासी भोला साहू, पिपरलोड निवासी सुखसागर यादव और बदरा निवासी सूरज यादव बाइक से किसी काम से रायपुर रोड की ओर जा रहे थे। चंद्रखुरी के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिर गए। हादसे में भोला साहू और सुखसागर यादव के सिर में गंभीर चोट आई। दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, सूरज यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सड़क पर दो शव पड़े होने के कारण कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही सरगांव पुलिस मौके पर पहुंची और घायल सूरज यादव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरगांव पहुंचाया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मिलने पर मृतकों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ट्रैक्टर चालक की तलाश कर रही है। हादसे में ट्रैक्टर की रफ्तार, बाइक की स्थिति और दुर्घटना के अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है।

बेटी को परेशान करने से रोका तो मां को उतारा मौत के घाट, कुल्हाड़ी से किया वार, आरोपी गिरफ्तार

जशपुर, 7 सितंबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में महिला की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आरोपी महिला की बेटी से एकतरफा प्यार करता था। महिला ने उसे बेटी को परेशान करने से मना किया था। इसी बात से नाराज आरोपी ने घर में रखी कुल्हाड़ी से महिला के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। मृतका धनमनी बाई (55) की हत्या के आरोपी अवधेश राम उर्फ गुटका (30) को पुलिस ने झारखंड के रायडीह से गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है। मामला आस्ता थाना क्षेत्र के हर्री गांव का है। पुलिस

के मुताबिक, अवधेश राम धनमनी बाई की बेटी से एकतरफा प्यार करता था। वह उसकी बेटी से बातचीत करना चाहता था, लेकिन बेटी ने उससे बात करने से मना कर दिया था। इससे आरोपी नाराज था। धनमनी बाई भी आरोपी को बेटी को परेशान करने से रोकती थी। इसी बात को लेकर आरोपी के मन में महिला के प्रति नाराजगी थी। इसी नाराजगी में आरोपी धनमनी बाई के घर पहुंचा। वहां महिला ने उसे अपनी बेटी से बातचीत करने और उसे परेशान नहीं करने के लिए कहा। इस बात पर आरोपी गुस्से में आ गया और घर में रखी कुल्हाड़ी से महिला के सिर पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी वहां से फरार हो गया।

धनमनी बाई के 63 वर्षीय पति ने 4 सितंबर को आस्ता थाने में पत्नी की हत्या की शिकायत दर्ज कराई। उसने पुलिस को बताया कि 3 सितंबर को दोपहर करीब 11:30 बजे खाना खाने के बाद वह जानवरों को चराने के लिए जंगल चला गया था। उस समय उसकी पत्नी घर पर अकेली थी। शाम करीब 6 बजे वह जानवरों को चराकर लौटा और उन्हें गोठान में बांधने के बाद घर के अंदर गया।

पेड़ पर फंदे से लटकता मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर/आरंग, 7 सितंबर (हाईवे चैनल)। आरंग थाना क्षेत्र के निसदा रेलवे ब्रिज के समीप सोमवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव पेड़ पर फंदे से लटकता मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों द्वारा पुलिस को दिए जाने के बाद आरंग पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, ग्रामीणों ने सुबह रेलवे

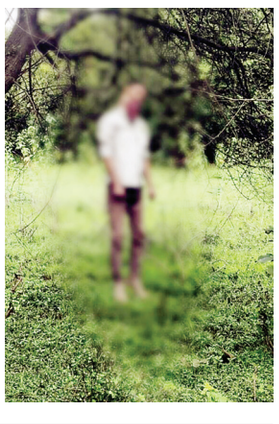

ब्रिज के पास पेड़ पर एक व्यक्ति का शव लटकता देखा।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को नीचे उतरवाया। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक की उम्र लगभग 40 से 45 वर्ष के बीच होने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस मृतक की शिनाख्त के लिए आसपास के गांवों के साथ-साथ नजदीकी थाना क्षेत्रों से भी जानकारी जुटा रही है। फिलहाल शव को मरच्यूरी में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मृतक की पहचान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद ही घटना की वास्तविक परिस्थितियों का पता चल सकेगा।

धूल के गुबार से हवा हो रही प्रदूषित, सांस और एलर्जी से जुड़ी शिकायतों का बढ़ रहा खतरा, निगम के पास नहीं है स्थायी समाधान

बारिश थमते ही सड़को पर उड़ने लगती है धूल, सभी प्रमुख मार्गो की यही है दशा

धमतरी, 7 सितम्बर (हाईवे चैनल)। शहर के मुख्य मार्गो जैसे अम्बेडकर चौक से लेकर रत्नाबांधा चौक, घड़ी चौक से सिहावा चौक और अर्जुनी चौक तक इधर सिहावा चौक से नहर नाका चौक और आगे कोलियारी तक व रत्नाबांधा चौक से मुजगहन तक आवागमन करने के दौरान धूल से सराबोर होना आम बात है। अन्य मौसम में भी इन मार्गो पर धूल की समस्या रहती है। वहीं बारिश के मौसम में यह समस्या कई गुणा बढ़ गई है। निगम के पास उक्त समस्या से निजात दिलाने कोई ठोस उपाय नहीं है। वर्तमान व पिछले कई वर्षो से निगम द्वारा धूल से राहत दिलाने सड़को पर झाड़ू लगाना ही एक मात्र विकल्प रहा है। सालों पहले निगम में एक स्वीपिंग मशीन हुआ करती थी जिसके माध्यम से शहर के मुख्य मार्गो से धूल साफ किया जाता था। लेकिन जल्दी ही यह मशीन मेंटेनेस ज्यादा और काम कम करने लगी और वाहन के उपयोग की लागत भी ज्यादा खर्चीला रहा इसलिए धीरे-

धीरे उक्त स्वीपिंग मशीन का उपयोग बंद हो गया। अब सालों से धूल से राहत दिलाने ठोस उपाय नहीं हो रहे है।

फोरलेन सड़क निर्माण से मिलेगी राहत: बता दे कि सिहावा चौक से कोलियारी तक व रत्नाबांधा चौक से मुजगहन तक लगभग 10 किमी के सड़क निर्माण हेतु लगभग 100 करोड़ की स्वीकृति मिली है। निर्माण प्रक्रिया

धूल से निजात के लिये ठोस उपाय की है आवश्यकता

शुरु हो चुकी है। उक्त सड़क पर सबसे ज्यादा धूल की समस्या रहती है अब लोगों में उम्मीद बढी है कि उक्त फोरलेन सड़क निर्माण के बाद दोनो मार्ग में धूल की समस्या काफी कम होगी। लोगों का कहना है कि यदि ड्रेन टू ड्रेन सड़क का निर्माण होगा तो यह समस्या काफी हद तक कम हो जायेगी।

राहगीर, व्यापारी व निवासी है परेशान: बारिश के मौसम में शहरवासियों को जलभराव और कीचड़ से राहत मिलती भी नहीं कि बारिश थमते ही सड़कों पर उड़ने वाली धूल नई परेशानी खड़ी कर देती है। शहर की कई प्रमुख और आंतरिक सड़कों पर बारिश के बाद जमा मिट्टी, सड़क किनारे पड़ी धूल और निर्माण कार्यों से निकलने वाली मिट्टी वाहनों की आवाजाही के साथ हवा में उड़ने लगती है। इससे कई स्थानों पर सड़क पर धूल का गुबार दिखाई देता है और राहगीरों व आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान सड़कों पर जमा मिट्टी और गाद जब सूखने लगती है तो वाहनों के गुजरने पर यह महीन धूल के रूप में हवा में फैल जाती है। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। पीछे से आने वाले वाहनों के पहियों से उड़ने वाली धूल सीधे राहगीरों और वाहन चालकों के चेहरे तक पहुंचती है। कई जगहों पर दुकानदारों को भी दिनभर धूल का सामना करना पड़ रहा है। दुकानों में रखे सामान और सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों पर धूल की परत जम रही है।

धूल के कारण बढ़ रहा स्वास्थ्य पर असर: सड़क की धूल केवल असुविधा का कारण नहीं है, बल्कि लगातार धूल भरी हवा में रहने से आंखों, नाक और गले में जलन, छींक, खांसी और सांस लेने में परेशानी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। पहले से सांस संबंधी संवेदनशीलता रखने वाले लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को इससे ज्यादा परेशानी होने की आशंका रहती है। शहरवासियों का कहना है कि बारिश के बाद सड़क किनारे जमा मिट्टी की सफाई, नियमित झाड़ू के साथ जरूरत के अनुसार पानी का छिड़काव और निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के उपाय किए जाने चाहिए।

ग्रामीण और स्कूली बच्चे मिलकर कच्चे मकान को बना रहे स्कूल भवन

गरियाबंद, 7 सितंबर (हाईवे चैनल)। गरियाबंद में एक बार फिर सिस्टम की लापरवाही और लाचारी की दुखदाई तस्वीर सामने आई है। यह तस्वीर मैनपुर ब्लॉक के मोती पानी गांव का है, जहां ग्रामीण और स्कूली बच्चे मिलकर एक कच्चे मकान को स्कूल भवन बना रहे हैं।कवेलु मरम्मत से लेकर दीवारों के जतन ग्रामीण श्रमदान से कर रहे हैं।

दरअसल, 4 साल पहले ही अतरिक्त कक्ष के लिए मुख्यमंत्री जतन योजना के तहत मोतिपानी प्राथमिक शाला के लिए 8 लाख की मंजूरी दी गई थी। 41 बच्चों वाले स्कूल भवन में अतिरिक्त कमरे का निर्माण ट्रॉइवल डिपार्टमेंट के देख-रेख में काम हो रहा था। लेकिन ठेकेदार ने मंजूर राशि का आधा खर्च कर अधूरा निर्माण छोड़ दिया। छत के ऊपर मंडराता खतरे को भांप ग्रामीणों ने पुराने भवन को मरम्मत करना मुनासिब समझा। मैनपुर ब्लॉक में 40 से ज्यादा भवन का काम अब भी अधूरा है। लापरवाह ठेकेदारो पर प्रशाशन ने आधा अधूरा कार्यवाही कर छोड़ दिया है।

CMYK